

पंजाब में नशे का तांडव: वर्दी बनी त्रासदी



-ललित गर्ग

पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक अपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही



कथित तौर पर अपराध के सहदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि हवाबड़ी ही खेत को खाने लगेह, तो फसल की रखावली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगे, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए।

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरों युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। ह्वाघर का चिराग ही घर में अंधेरा कर देह, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्त की बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। हमजब बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवाकू जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी।

पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पर से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकती। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। ह्दयध का दूध और पानी का पानीह्न करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पदें के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियाचक्रण पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनसे संबंधितों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई।

नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वासी पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निक्ालने केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही सहदेह के घेरे में आने लगे और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करे, तब आमसमर्थन टालना आत्मघाती होगा। छालकरी पीटनेह्न के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्यथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, विपक्ष का हट और संस्थाओं की साख



अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र का सबसे मजबूत खंभा उसकी निष्पक्ष चुनाव प्रणाली रही है। वैश्विक पटल पर जब भी भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता की मिसाल दी जाती है, तो निर्वाचन सदन यानी भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका को अग्रिम पंक्ति में रखा जाता है। किंतु, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर वर्तमान में जो अभूतपूर्व राजनीतिक और संवैधानिक गतिरोध पैदा हुआ है, उसने इस प्रतिष्ठित संस्था की निष्पक्षता को इतिहास के सबसे गंभीर दोराहे पर ला खड़ा किया है। देश की राजनीति इस समय इस सवाल को लेकर सुलग रही है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा मांगना कांग्रेस और समूचे विपक्ष की एक सैद्धांतिक लड़ाई है, या फिर यह उनकी सोची-समझी राजनीतिक विवशता और नैरेटिव सेट करने की मजबूरी का हिस्सा है? केरल विधानसभा द्वारा देश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए प्रस्ताव पारित करना और कांग्रेस द्वारा सड़कों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मोर्चा खोलना यह दर्शाता है कि यह विवाद महज एक प्रशासनिक विमर्शगति नहीं, बल्कि एक गहरे

राजनीतिक संग्राम का रूप ले चुका है।

इस विवाद की शुरुआत 'द इंडियन एक्सप्रेस' की एक खोजी रिपोर्ट से हुई, जिसने निर्वाचन आयोग के भीतर के बंद दरवाजों के मतबंदों को सार्वजनिक कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, मतदाता सूची के व्यापक पुनरीक्षण यानी 'स्पेशल इंटेसिव रिवीजन' को लेकर आयोग के भीतर ही गहरा बिखराव था। दावा किया गया कि अन्य दो चुनाव आयुक्तों—सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी—ने पिछले 10 महीनों में मतदाता सूची से नाम हटाने, नए नाम जोड़ने और डेटा प्रबंधन की प्रक्रियाओं पर करीब 14 बार औपचारिक और लिखित आपत्तियां दर्ज कराई थीं। लोकतंत्र का स्थापित नियम और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस यह स्पष्ट करती हैं कि निर्वाचन आयोग में कोई भी निर्णय बहुमत या सर्वसम्मति से होना चाहिए। विपक्ष का सीधा आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अन्य आयुक्तों की चिंताओं और आपत्तियों को दरकिनार करते हुए एकरतफा फैसले लिए। जब किसी संवैधानिक संस्था के भीतर ही इस स्तर का आंतरिक असंतोष और अविश्वास सतह पर आ जाए, तो उसकी साख पर उंगलियां उठाना स्वाभाविक है।

विपक्ष के इस उग्र आंदोलन के केंद्र में 'स्पेशल इंटेसिव रिवीजन' की प्रक्रिया है। इस कवायद के तहत देश के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों से लगभग 13.30 करोड़ नामों को हटा दिया गया है, जो भारत के कुल मतदाता वर्ग का लगभग 13 प्रतिशत है। चुनाव आयोग का तर्क है कि यह प्रक्रिया बोगस, दोहरे और अपात्र मतदाताओं को हटाने तथा सूची को शुद्ध करने के लिए की गई

वैधानिक प्रशासनिक कार्रवाई है। इसके विपरीत, कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इसे रूढ़िवादी हेफेरेर और रवेट चोरीर की संज्ञा दे रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए जानबूझकर एक निश्चित वर्ग और विपक्ष के पारंपरिक झुकाव वाले मतदाताओं के नाम काटे गए हैं ताकि आगामी चुनावों के परिणामों को प्रभावित किया जा सके। राहुल गांधी का दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन, रूढ़िवादी द्वारा उन्हें हिरासत में लिया जाना और शशि थरूर जैसे नेताओं द्वारा संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग लाने की



चेतावनी यह स्पष्ट करती है कि विपक्ष इस मुद्दे को तार्किक परिणति तक ले जाने के लिए आमादा है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प और सूक्ष्म पहलू यह है कि आखिर कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर इस कदर क्यों अड़ी है? क्या ज्ञानेश कुमार का पद से हट जाना ही इस समस्या का अंतिम समाधान है? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस आक्रामक रुख के पीछे कांग्रेस की रणनीतिक और राजनीतिक मजबूरियां छिपी हुई हैं। लगातार चुनावी चुनौतियों और कई राज्यों में सत्ता से बाहर रहने के बाद, कांग्रेस के लिए अपने कार्यकालाओं के भीतर यह विवशता जगाना जरूरी है कि उनकी वैचारिक या सांगठनिक कमजोरी के कारण पराजय नहीं हो

रही है। ज्ञानेश कुमार पर सीधा और तीखा हमला करके राहुल गांधी देश के मानस में यह नैरेटिव सेट करने में सफल हो रहे हैं कि रहम चुनाव मैदान में परास्त नहीं हो रहे, बल्कि सरकारी मशीनरी और चुनाव आयोग के तंत्र का दुरुपयोग करके हमें जानबूझकर हरवाया जा रहा है। यदि भविष्य में ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दे देते हैं, तो विपक्ष इसे अपनी बहुत बड़ी नैतिक जीत बताएगा और यह साबित करने की कोशिश करेगा कि पूरी चुनावी प्रक्रिया ही दूषित थी।

इसके साथ ही, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के भीतर समय-समय पर क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के बीच वैचारिक और सीटों के बंटवारे को लेकर अंतर्विरोध उभरते रहे हैं। ऐसे समय में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक साझा, राष्ट्रीय और भावनात्मक रूप से संवेदनशील मुद्दे की आवश्यकता होती है। 'मतदाता के अधिकार' और 'वोट की चोरी' एक ऐसा संवेदनशील विषय है, जिस पर वामपंथी दलों, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और आम आदमी पार्टी समेत पूरा विपक्ष आंख मूंदकर एक सुर में खड़ा हो सकता है। कांग्रेस के लिए इस अवसर का नेतृत्व करना गठबंधन के भीतर अपनी धुरी वाली भूमिका को बनाए रखने की विवशता भी है। इसके अतिरिक्त, राहुल गांधी ने 2023 में पारित उस कानून (मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023) की धारा 16 को विशेष रूप से निशाने पर लिया है, जो चुनाव आयुक्तों को उनकी सेवा के दौरान और बाद में किसी भी कानूनी जांच या अदालती कार्यवाही से पूर्ण उन्मुक्ति (ब्लैकेट इम्युनिटी) प्रदान

करता है। विशेषज्ञों ने भी सवाल उठाए हैं कि ऐसा संरक्षण तो राष्ट्रपति या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को भी प्राप्त नहीं है। कांग्रेस इस सुर्क्षा कवच के अंतर्गत आदेश से तो इनकार कर दिया है, लेकिन केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और सरकार ने विपक्ष के इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे 'हार के डर से पैदा हुई हताशा' करार दिया है। भाजपा का तर्क है कि चुनाव आयोग एक बहु-सदस्यीय संस्था है, जहां विचारों की भिन्नता और आंतरिक आपत्तियां एक स्वस्थ और जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण हैं, न कि किसी साजिश का हिस्सा। लाखों वृक्ष लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर वोटिंग, गए सत्यापन को 'वोट चोरी' कहना उन जमीनी कर्मचारियों के परिश्रम का अपमान है। इसके अलावा, संवैधानिक दृष्टिकोण से देखें तो मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल उत्ती रीति और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जैसे सुप्रीम कोर्ट के किसी सदसों में विशेष बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पारित करके। वर्तमान संसद के संख्या बल को देखते हुए विपक्ष के अनुच्छेद 324(5) के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल उत्ती रीति और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जैसे सुप्रीम कोर्ट के किसी सदसों में विशेष बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पारित करके। वर्तमान संसद के संख्या बल को देखते हुए विपक्ष के लिए महाभियोग को तार्किक परिणति तक पहुंचाना व्यावहारिक रूप से असंभव है। इसके बावजूद, यदि विपक्ष सड़कों पर पुतले फूंक रहा है और संसद ठप करने की चेतावनी दे रहा है, तो उसका लक्ष्य ज्ञानेश कुमार को हटाना कम, बल्कि उनके बहाने सरकार को जन-अदालत में कटघरे में खड़ा करना ज्यादा है। अब यह गंभीर

और संवेदनशील विवाद देश की सर्वोच्च अदालत की चौखट पर पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल निलंबित करने के अंतर्गत आदेश से तो इनकार कर दिया है, लेकिन केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। माननीय अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आयोग के भीतर आम सहमति या बहुमत के नियमों की अनदेखी कर एकरतफा फैसले लेने के साक्ष्य मिलते हैं, तो न्यायालय उन फैसलों की समीक्षा करने या उन्हें वापस लेने पर विचार कर सकता है। यह रुख इस बात का संकेत है कि न्यायपालिका इस संस्था की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर है। अंततः, लोकतंत्र केवल संस्थाओं, बहुमत के आंकड़ों या संसद की सीटों का जोड़-घटाव नहीं है। लोकतंत्र की आत्मा देश की संवैधानिक संस्थाओं के निष्पक्षता और उन संस्थाओं के प्रति आम नागरिक के अटूट विश्वास में बसती है। यदि मुख्य चुनाव आयुक्त और मतदाता सूची की पूरी प्रक्रिया ही हर चुनाव से पहले पहरे के कोहे में धिर जाएगी, तो जनता का इस पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था से ही भरोसा उठ जाएगा। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा भले ही कांग्रेस के लिए चुनावी नैरेटिव की एक 'मजबूरी' हो, लेकिन चुनाव आयोग की आंतरिक शुचित और पारदर्शिता को बहाल करना भारतीय लोकतंत्र की 'महती आवश्यकता' है। इस राजनीतिक संग्राम का पिटारा सड़कों के कोलाहल या राजनीतिक पुतले फूंकने से नहीं, बल्कि देश की सर्वोच्च अदालत में साक्ष्यों और संवैधानिक मर्यादाओं के दायरे में ही होना चाहिए, ताकि निर्वाचन आयोग की धवल चादर पर लगा यह दाग साफ हो सके।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कमजोर या चतुर प्रशासक



संजीव ठाकुर

प्रभाव छोड़ा। अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का देश को टूटने से बचना और गुलामी का अंत, फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट का महान मंदी और द्वितीय विश्व युद्ध से देश को उबारना, और जॉर्ज वाशिंगटन, संस्थागत नींव रखने वाले को सबसे शक्तिशाली माना जाता है। जेम्स बुकानन, गृहयुद्ध को रोकने में असमर्थता, एंड्रयू जॉन्सन को अक्सर अमेरिकी इतिहास के कमजोर और असफल राष्ट्रपतियों में गिना जाता है, क्योंकि उनके कार्यकाल में देश संकटों से निपटने में विफल रहें हैं हालांकि, नेतृत्व, नीतियों, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति दृष्टिकोण, सहयोगी देशों से संबंधों और अमेरिकी समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण के आधार पर उनकी आलोचना के पर्याप्त कारण हैं। अमेरिकी इतिहास में कुछ ही राजनीतिक हस्तियां ऐसी हुई हैं जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप जितनी तीव्र प्रतिक्रियाएँ, ध्रुवीकरण और बहसें पैदा

की हों। जब यह प्रश्न उठाया जाता है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के कमजोर राष्ट्रपति हैं, तो यह केवल उनके कार्यकाल को सफलताओं या असफलताओं का आकलन नहीं रह जाता, बल्कि यह अमेरिकी प्रेसीडेंसी राष्ट्रपतियों की संस्था के इतिहास, शासन प्रणालियों और राजनीतिक संस्कृति की गहरी समीक्षा बन जाता है। इस विषय पर विचार करने के लिए हमें उनके कार्यकाल को इतिहास के अन्य प्रमुख राष्ट्रपतियों की तुलना में देखना होगा। इस संदर्भ में, डोनाल्ड ट्रंप का मूल्यांकन सीधा नहीं है। उनके समर्थकों की नजर में वे एक क्रांतिकारी और दूरदर्शी नेता हैं, जबकि आलोचकों की नजर में वे संस्थाओं को कमजोर करने वाले और लोकतांत्रिक मानदंडों को चुनौती देने वाले राष्ट्रपति रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की शासन शैली पारंपरिक अमेरिकी राष्ट्रपतियों से बिल्कुल अलग थी। उनकी कार्यप्रणाली के मुख्य स्तंभ निम्नलिखित रहे हैं: उन्होंने पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों (जैसे नाटो, पेरिस जलवायु समझौता, ईरान परमाणु समझौता) को चुनौती दी और अमेरिका के आर्थिक हितों को सबसे ऊपर रखा। उन्होंने चीन के साथ एक लंबा व्यापार युद्ध लड़ा। ट्रंप ने मुख्यधारा के मीडिया, कृषि या एजेंसियों (एफबीआई, सीआईए) और न्यायपालिका पर लगातार सवाल उठाए। उन्होंने रूढ़िवादी विचारधारा

के न्यायाधीशों सुप्रीम कोर्ट में तीन नियुक्तियों सहित को नियुक्त किया, जिसे उनके समर्थकों ने ऐतिहासिक जीत माना। ट्रंप ने पारंपरिक प्रेस कांन्फ्रेंस के बजाय ट्विटर अब एक्स के माध्यम से सीधे जनता से संवाद किया, जिसने राजनीतिक संवाद की भाषा को हमेशा के लिए बदल दिया। उनके कार्यकाल (2017-2021) में 2017 का कर कटौती और नौकरियां अधिनियम पारित हुआ, जिससे कॉर्पोरेट करों में भारी कमी आई और कोविड-19 महामारी से पहले अमेरिकी अर्थव्यवस्था तेजी आई। डोनाल्ड ट्रंप को बेहतर ढंग से समझने के लिए उनकी तुलना अमेरिकी इतिहास के कुछ अन्य प्रमुख राष्ट्रपतियों से करना आवश्यक है

एंड्रयू जैक्सन से तुलना डोनाल्ड ट्रंप की तुलना अक्सर 19वें सदी के राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन से की जाती है। जैक्सन की तरह, ट्रंप ने भी खुद को 'आम आदमी' का चैंपियन बताया और स्थापित राजनीतिक तंत्र के खिलाफ मोर्चा खोला। दोनों नेताओं ने अपनी राजनीतिक ताकत जनसमर्थन और लोकलुभावन अपील से प्राप्त की। जैक्सन की तरह ट्रंप ने भी कार्यपालिका की शक्ति को अपनी शैली के अनुसार मोड़ने का प्रयास किया। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां रोनाल्ड रीगन से भिन्न थीं। जहां रीगन मुक्त व्यापार, वैश्वीकरण और मजबूत अंतरराष्ट्रीय

गठबंधनों के प्रबल समर्थक थे, वहीं ट्रंप ने संरक्षणवाद आयात शुल्क और अलगाववाद का मार्ग चुना। इसके बावजूद, दोनों ने करों में कटौती और रूढ़िवादी न्यायिक नियुक्तियों के एजेंडे को अगे बढ़ाया।

संकट प्रबंधन में फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट या अब्राहम लिंकन से अंतर मजबूत राष्ट्रपतियों की श्रेणी में वे नेता आते हैं जिन्होंने राष्ट्रीय संकटों के समय देश को एकजुट किया। इसके विपरीत, आलोचकों का तर्क है कि कोविड-19 महामारी के दौरान और 2020 के राष्ट्रपति चुनावों के बाद (विशेषकर 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल की घटना) ट्रंप की भूमिका विभाजनकारी रही। इतिहासकार संकट के समय देश को पाटने के बजाय बांटने वाले नेताओं को कमजोर या विवादस्पद श्रेणी में रखते हैं। ट्रंप के मूल्यांकन में दो विरोधी धाराएँ स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं: दशकों में पहली बार किसी नए बड़े युद्ध की शुरुआत न करना अब्राहम समझौते के तहत पश्चिम एशिया में शांति प्रयास। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और बेरोजगारी दर को ऐतिहासिक निचले स्तर पर लाना। चीन के खिलाफ सख्त रुख अपनाना। अमेरिकी व्यापार हितों की रक्षा करना। रूढ़िवादी सुप्रीम कोर्ट का निर्माण करना। लोकतांत्रिक संस्थानों और चुनाव परिणामों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

प्रयोग संवैधानिक स्वतंत्रताओं को कमजोर कर सकता है। एक अन्य चिंता प्रतिबंधों के असमान और पक्षपातपूर्ण प्रयोग की है। यदि प्रदर्शन की अनुमति देने या रोकने के नियम राजनीतिक विचारधारा अथवा प्रदर्शनकारियों की पहचान के आधार पर अलग-अलग लागू किए जाते हैं, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास कमजोर होता है। सरकार की नीतियों की अविश्वसनीयता अपने आप राष्ट्र-विरोध या राज्य के प्रति शत्रुता नहीं माना जाना चाहिए। किसी प्रदर्शन की मांगों से असहमत होना नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को समाप्त करने का आधार नहीं हो सकता। वर्तमान परिस्थितियों में भारत को सार्वजनिक प्रदर्शनों में प्रति अधिकार पारदर्शी और सुरक्षित रहे और सार्वजनिक जीवन की अनावश्यक रूप से बाधित न हो। निवारक कानूनी शक्तियों का प्रयोग भी सावधानीपूर्वक किया जाना आवश्यक है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 सूक्ष्म अधिकारियों को उपद्रव या संधावित खतरे जैसी कानून में निर्धारित परिस्थितियों में तत्काल निवारक आदेश जारी करने की शक्ति प्रदान करती है। गंभीर सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों में ऐसे उपाय आवश्यक हो सकते हैं, लेकिन आधारा वास्तविक परिस्थितियाँ होनी चाहिए और उनका दायरा तथा अवधि उचित रूप से सीमित होने चाहिए। शांतिपूर्ण सभाओं के विरुद्ध व्यापक या नियमित रूप से ऐसे आदेशों का

अमेरिका के पारंपरिक मित्रों के साथ संबंधों में खटास पैदा करना। जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग से अमेरिका को पीछे खींचना।

दो बार महाभियोग का सामना करने वाले इतिहास के एकमात्र राष्ट्रपति बनना। यदि 'कमजोर' राष्ट्रपति का अर्थ वह व्यक्ति है जो निर्णय लेने में असमर्थ रहा हो, जिसके पास राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं हो, या जो अपने एजेंडे को लागू न कर पाया हो—तो डोनाल्ड ट्रंप को कमजोर बिल्कुल नहीं कहा जा सकता। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान अमेरिकी राजनीति और नीतियों को अपने तरीके से गहराई से प्रभावित किया और रूढ़िवादी एजेंडे को मजबूती से लागू किया। हालांकि, यदि 'कमजोर' शब्द का तात्पर्य लोकतांत्रिक परंपराओं, संस्थागत संतुलन और सामाजिक समरसता को बनाए रखने की विफलता से है, तो कनाई इतिहासकार और राजनीतिक विश्लेषक उनके कार्यकाल को अत्यधिक विभाजनकारी और संस्थाओं में आधारित पहूँचाते वाला मानते हैं।

संक्षेप में, डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी इतिहास के पारंपरिक अर्थों में कमजोर राष्ट्रपति नहीं थे, बल्कि वे एक असाधारण रूप से विद्रोही, विभाजनकारी और प्रभावकारी राष्ट्रपति थे, जिनके मूल्यांकन पर इतिहासकार आने वाले कई दशकों तक बहस करते रहेंगे।

सत्ता से सवाल या व्यवस्था में व्यवधान?

भारत में शांतिपूर्ण सभा का अधिकार लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ख) सभी नागरिकों को शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के एकत्र होने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसभाएँ, धरने, प्रदर्शन और रैलियाँ केवल असहमति व्यक्त करने के माध्यम नहीं हैं, बल्कि नागरिकों को अपनी माँगें रखने, सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करने का अवसर भी देती हैं। वर्तमान भारत में विरोध-प्रदर्शनों की अनुमति, सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध, सड़क जाम और निवारक कानूनी प्रावधानों को लेकर होने वाली बहस ने इस अधिकार की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया है।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन सामूहिक लामबंदी और शांतिपूर्ण प्रतिरोध की शक्ति का ऐतिहासिक उदाहरण है। महात्मा गांधी के सत्याग्रह ने यह सिद्ध किया कि अहिंसक जनभागीदारी अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती देने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। स्वतंत्रता के बाद भी भ्रष्टाचार, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिला अधिकारों, रोजगार और किसानों से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न आंदोलनों ने सार्वजनिक विमर्श को



- डॉ. सत्यवान सौरभ

प्रभावित किया है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन उन नागरिकों और समुदायों को अपनी बात रखने का अवसर देते हैं, जिनकी समस्याओं को सामान्य परिस्थितियों में पर्याप्त महत्त्व नहीं मिल पाता।

शांतिपूर्ण सभा का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी गहराई से जुड़ा है। अनुच्छेद 19(1)(क) नागरिकों को वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) उन्हें सामूहिक रूप से अपनी बात रखने का अवसर देता है। प्रदर्शन सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने, प्रशासनिक कमियों को दूर करने और जनता को समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस दृष्टि से शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता और उत्तरदायित्व का प्रमाण है। वर्तमान भारत में कृषि नीतियों, नागरिकता, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं, आरक्षण, पर्यावरण और अन्य सार्वजनिक मुद्दों पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन इस अधिकार के महत्त्व को दर्शाते हैं। दूसरी ओर, सड़कों पर

लंबे समय तक धरना देने, सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध लगाने, इंटरनेट सेवाएँ बंद करने तथा निवारक आदेशों के प्रयोग को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिकों की वैध असहमति को दबाया न जाए। संविधान शांतिपूर्ण सभा के अधिकार को असीमित नहीं मानता। अनुच्छेद 19(3) के अंतर्गत भारत की संप्रभुता एवं अखंडता और लोक व्यवस्था के हित में इस अधिकार पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ऐसे प्रतिबंध इसलिए आवश्यक हैं, क्योंकि प्रदर्शनकारियों के अधिकारों के साथ-साथ अन्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना भी राज्य की जिम्मेदारी है। हिंसा, धमकी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करना लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसी प्रकार, आवश्यक मागों पर लंबे समय तक अवरोध उत्पन्न होने से मरीजों, आपातकालीन सेवाओं, दैनिक यात्रियों, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों को परेशानी हो सकती है। शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन से संबंधित अमित साहनी बनाम पुलिस आयुक्त (2020) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों और स्थानों पर अनिश्चितकाल तक ऐसा कब्जा नहीं किया जा सकता, जिससे अन्य लोगों का आवागमन बाधित हो। इस निर्णय ने विरोध-प्रदर्शन के अधिकार और आम जनता के अधिकारों के बीच संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित

किया। हालाँकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि सार्वजनिक स्थानों पर प्रत्येक प्रदर्शन प्रतिबंधित किया जा सकता है। प्रशासन को शांतिपूर्ण प्रदर्शन से होने वाली सामान्य असुविधा और गंभीर या लंबे समय तक चलने वाले अवरोधों के बीच अंतर करना चाहिए। इसी प्रकार, मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन के अधिकार और अन्य नागरिकों के हितों के बीच संतुलन से जुड़े प्रश्नों पर विचार किया। ऐसे न्यायिक निर्णय यह स्पष्ट करते हैं कि न तो विरोध-प्रदर्शन का अधिकार असीमित है और न ही सरकार की नियमन करने की शक्ति। उद्देश्य ऐसा संतुलन स्थापित करना होना चाहिए, जिससे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति सुरक्षित रहे और सार्वजनिक जीवन की अनावश्यक रूप से बाधित न हो। निवारक कानूनी शक्तियों का प्रयोग भी सावधानीपूर्वक किया जाना आवश्यक है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 सूक्ष्म अधिकारियों को उपद्रव या संधावित खतरे जैसी कानून में निर्धारित परिस्थितियों में तत्काल निवारक आदेश जारी करने की शक्ति प्रदान करती है। गंभीर सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों में ऐसे उपाय आवश्यक हो सकते हैं, लेकिन आधारा वास्तविक परिस्थितियाँ होनी चाहिए और उनका दायरा तथा अवधि उचित रूप से सीमित होने चाहिए। शांतिपूर्ण सभाओं के विरुद्ध व्यापक या नियमित रूप से ऐसे आदेशों का

मार्ग बदलने, समय निर्धारित करने या तात्कालिक वास्तविक प्रबंध करने या अन्य कम प्रतिबंधात्मक उपायों से समस्या का समाधान संभव है। पुलिसकर्मियों को शांतिपूर्ण भीड़ प्रबंधन, संवाद और तनाव कम करने के लिए उचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। मनमाने या अत्यधिक प्रतिबंधों को चुनौती देने के लिए न्यायिक समीक्षा का प्रभावी अवसर भी उपलब्ध रहना चाहिए। नागरिकों और प्रदर्शन आयोजकों को भी जिम्मेदारी है कि वे अपने अधिकारों का प्रयोग शांतिपूर्ण ढंग से करें, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें और प्रदर्शन में शामिल न होने वाले लोगों के अधिकारों का सम्मान करें। जिम्मेदार विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं और वास्तविक जनसमस्याओं को हिसा या अव्यवस्था के कारण चर्चा से बाहर होने से बचाते हैं। अंततः, शांतिपूर्ण सभा का अधिकार भारत की संवैधानिक प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी है। चुनाव नागरिकों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर देते हैं, जबकि शांतिपूर्ण प्रदर्शन उन्हें चुनावों के बीच सरकार से सवाल पूछने और नीतियों की समीक्षा की माँग करने का अधिकार प्रदान करते हैं। एक मजबूत लोकतंत्र असहमति से भयभीत नहीं होता, बल्कि ऐसी संस्थाएँ विकसित करता है जो नागरिकों की बात सुन सके और उनकी समस्याओं का समाधान कर सके। राज्य का दायित्व है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखे, लेकिन इस दायित्व का निर्वहन संवैधानिक सीमाओं के भीतर होना चाहिए।

चेंबूर में अमरकथा नामक विशेष कार्यक्रम का आयोजन



मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता स्वर्गीय सीताराम बालकृष्ण नागरकर के आजीवन निस्वार्थ सामाजिक कार्यों को याद करने और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए चेंबूर में 'अमरकथा' नामक एक विशेष कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। चेंबूर के सुभाष नगर में हनुमान मंदिर के पास सीताराम नागरकर चौक पर उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। बता दें कि पूज्य श्री. उज्जैन के महंत राजेंद्र गिरी बापूजी ने पूरे श्रावण माह में चेंबूर में शिवलिंग के धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान आमंत्रित किए गए सवा लाख रुद्राक्षों से एक 'रुद्राक्ष माला' तैयार की, और इसे स्वर्गीय सीताराम नागरकर की स्मृति में सीताराम नागरकर चौक पर समर्पित किया इस अवसर पर जय नागरकर द्वारा मंत्रोच्चारण एवं धार्मिक अनुष्ठान के तहत सीताराम नागरकर चौक का दूध से अभिषेक किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान ने कार्यक्रम को विशेष आध्यात्मिक महत्व दे दिया। कार्यक्रम की शोभा श्रद्धेय श्री ने बढ़ाई। महंत राजेंद्र गिरी बापूजी, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं चेंबूर के उद्योगपति अनिल बच्चूभाई चौहान, नगरसेविका व प्रभाग समिति अध्यक्ष अध्यक्ष आशा सुभाष मराठे, नगरसेवक समृद्धि गणेश कोटे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चेंबूर प्रांत के संघचालक रमेश ओवलेकर भाजपा नेता कांता नलावडे, सेवानिवृत्त सहायक पुलिस आयुक्त प्रकाश वाणी , सुभाष मराठे, श्री भूल्लोखर देवालय ट्रस्ट के विश्वस्त विवेक रावते, शिरीष रावते, प्रमोद पांडे सहित विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक क्षेत्र के लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर धर्मवीर सिंह चौधरी, रमेश ओवलेकर और कांता नलावडे ने दिवंगत सीताराम नागरकर के निस्वार्थ सामाजिक कार्यों की याद किया और निस्वार्थ सेवा करने वालों की स्मृति को संजोने का संदेश दिया। पूज्य श्री महंत राजेंद्र गिरी बापूजी ने अपने संबोधन में उपस्थित लोगों को आशीर्वाद दिया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन 'राष्ट्रमित्र' के प्रधान संपादक ज्ञानेश्वर ठोंबरे ने किया।

भिवंडी के भाग्यनगर में पानी की समस्या दूर, नागरिकों ने नगरसेवक कमलाकर पाटिल का जताया आभार



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के वार्ड क्रमांक 22 स्थित भाग्यनगर में वर्षों से चली आ रही पानी की समस्या का समाधान होने का दावा स्थानीय नागरिकों ने किया है। नागरिकों ने पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नगरसेवक कमलाकर पाटिल के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, गणेशोत्सव के दौरान उन्होंने देर रात कमलाकर पाटिल को मौके पर बुलाकर पानी की समस्या से अवगत कराया था। इसके बाद उन्होंने पहल करते हुए चार इंच की पाइपलाइन से पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था कराई, जिससे इलाके में पानी की आपूर्ति शुरू हुई। वहीं इस मामले से जुड़ा नगरसेवक के विरोध में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नागरिकों ने पत्रकारों के सामने अपनी बात रखते हुए कहा कि वायरल वीडियो में उनकी बातों को काट-छेदकर गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिससे गलत संदेश गया। नागरिकों ने स्पष्ट किया कि उनकी पानी की समस्या का समाधान हो गया है और इसके लिए उन्होंने नगरसेवक कमलाकर पाटिल का धन्यवाद किया।

जय दुर्गा मित्र मंडल पंडाल में कीर्तनकार महेंद्र महाराज भोईर के कीर्तन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़



कारीवली (उत्तरशक्ति)। जय दुर्गा मित्र मंडल, कारीवली के नवरात्रोत्सव में कीर्तनकार एवं भागवताचार्य महेंद्र महाराज भोईर के कीर्तन को सुनने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंगलवार, 13 अक्टूबर को आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं सहित भक्तों ने उपस्थित रहकर कीर्तन का श्रवण किया। भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। जय दुर्गा मित्र मंडल पिछले 16 वर्षों से माता रानी की स्थापना कर गांव के लोगों में एक अलग पहचान बनाई है। हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी 13 से 20 अक्टूबर तक नवरात्रोत्सव के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मंडल के आयोजकों ने बताया कि उत्सव के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रमों की श्रृंखला में डांडिया, गरबा, भजन संध्या, माता की चौकी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, महिला मंडल के कार्यक्रम, संगीत कुर्सी, बच्चों की प्रतियोगिताएं और सम्मान समारोह सहित अन्य आयोजन शामिल हैं। नवरात्रोत्सव के समापन अवसर पर 20 अक्टूबर को भव्य विसर्जन समारोह आयोजित किया जाएगा। मंडल के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लाभ उठाने तथा नवरात्रोत्सव को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल के संस्थापक पवन यादव, गौ सेवक दिनेश मौर्य, अध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गोविंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुमित हलिल, सहकोषाध्यक्ष श्रवण गौड़, कार्याध्यक्ष सूरज सावत, सचिव गणेश पाटिल, सहसचिव हेमंत कन्नोजिया, सलाहकार अभिलाष आडेप, सह-सलाहकार बलराम पासवान तथा व्यवस्थापक अंकुश लघुशेटी आदि लोगों के अथक परिश्रम व स्थानीय लोगों के सहयोग से संभव हो रहा है।

घाटकोपर में चैतन्य नवदुर्गा झांकी का भव्य आयोजन

♦मीडिया जगत की हस्तियों सहित विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने किया दीप प्रज्वलन और आरती, सैकड़ों श्रद्धालु कर रहे हैं देवी के नौ स्वरूपों के दर्शन

मुंबई, (उत्तरशक्ति)। नारी शक्ति, आध्यात्मिक चेतना और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को समर्पित ह्रस्वाक्षत चैतन्य नवदुर्गा दर्शन झांकीह्म का आयोजन मुंबई के घाटकोपर पूर्व स्थित ब्रह्माकुमारीज पीस पार्क, आचार्य अत्रे मैदान, पंतनगर में भव्य रूप से किया जा रहा है। ब्रह्माकुमारीज योग भवन, घाटकोपर सब-जोन की ओर से 11 से 20 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस आध्यात्मिक कार्यक्रम

में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के दर्शन कर रहे हैं। यह आयोजन ब्रह्माकुमारीज योग भवन, घाटकोपर सब-जोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शंकुदीदीजी के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। झांकी में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आकर्षक एवं जीवंत प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी शक्ति, आध्यात्मिक जागृति, सकारात्मकता और भारतीय संस्कृति के संस्कारों का संदेश दिया जा रहा है। चार दिनों में विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों ने की सहभागिता। 11 से 14 अक्टूबर तक आयोजित कार्यक्रमों में चिकित्सा, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, सामाजिक क्षेत्र, मीडिया और वरिष्ठ नागरिक समूहों से जुड़े गणमान्य लोगों ने सहभागिता की। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और मां दुर्गा की आरती कर आध्यात्मिक



वातावरण को भक्तिमय बनाया। पहले दिन डॉक्टरों के समूह ने की सहभागिता आयोजन के पहले दिन इंडिगो ग्रुप से जुड़ी महिला चिकित्सकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. शांति वारियार, डॉ. मीना गिलके, डॉ. अजिता जाधव, डॉ. उषाबेन निशार, डॉ. भावना खेतिया, डॉ. प्रीति शिंदे, डॉ. उर्मिला सावला और डॉ. फरीदा सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। दूसरे दिन सीए समूह

की उपस्थिति दूसरे दिन चार्टर्ड अकाउंटेंट समूह की ओर से अमित कंसारा और पूनम कंसारा ने सहभागिता की। उन्होंने झांकी का अवलोकन किया और आध्यात्मिक आयोजन की सराहना की। तीसरे दिन तिलक नगर महिला समूह की सहभागिता तीसरे दिन तिलक नगर महिला समूह के सदस्यों ने झांकी के दर्शन किए। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम में सामाजिक सहभागिता को और मजबूती प्रदान की। चौथे

पालघर में तिरछी आंखों की समस्या से पीड़ित 28 बच्चों की जांच, 8 की होगी मुफ्त सर्जरी

पालघर(उत्तरशक्ति)। बच्चों में तिरछी आंखों (भेंगापन) की समस्या का समय पर पता लगाकर उचित उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत पालघर स्थित इन्फिमो आई हॉस्पिटल में विशेष नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 28 बच्चों की आंखों की जांच की गई। इनमें से 8 बच्चों को मुफ्त सर्जरी के लिए चयनित किया गया, जबकि 20 बच्चों को मुफ्त दवाइयां एवं औषधोपचार उपलब्ध कराये गये। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सतोष चौधरी के मार्गदर्शन, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तनवीर शेख की प्रेरणा तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रदीप पागी के सहयोग से इस शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बाल



स्वास्थ्य कार्यक्रम, पालघर तहसील के चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शिविर के नियोजन और सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। शिविर में वरिष्ठ बाल नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप देशपांडे तथा इन्फिमो आई हॉस्पिटल के संचालक डॉ. ठाकुर ने बच्चों की विस्तृत नेत्र जांच की। इस दौरान तिरछी आंखों की समस्या से पीड़ित बच्चों को आवश्यक

चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। जांच के बाद 8 बच्चों को मुफ्त शल्यक्रिया के लिए चयनित किया गया, जबकि अन्य 20 बच्चों को आवश्यक दवाइयां एवं उपचार उपलब्ध कराये गये। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बचपन में भेंगापन का समय पर निदान और उचित उपचार बच्चों की दृष्टि के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को धमकी देने वाला आरोपी एक घंटे के भीतर गिरफ्तार

काशीगांव पुलिस की त्वरित कार्रवाई, फोन पर कहा था—अगले 12 घंटों में भारत की अर्थव्यवस्था बर्बाद कर दूंगा

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने की धमकी देने वाले 27 वर्षीय युवक को काशीगांव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक घंटे के भीतर हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान निखिल सुदर्शन शर्मा के रूप में हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गोपनीय सूचनाओं, तकनीकी विश्लेषण और मोबाइल नंबरों के आधार पर जांच शुरू की और आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। फोन पर दी 12 घंटे के भीतर अर्थव्यवस्था बर्बाद करने की धमकी पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 14 अक्टूबर 2026 को मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के मुंबई नियंत्रण कक्ष को इस घटना की सूचना मिली। बताया गया कि एक व्हाट्सएप में दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर कथित तौर पर कहा, 'हम अगले 12 घंटों में भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दूंगा'। इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए काशीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने गोपनीय सूत्रों से मिली जानकारी



और तकनीकी विश्लेषण की मदद से फोन करने वाले व्यक्ति की पहचान की। तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी तक पहुंची पुलिस जांच के दौरान पुलिस ने निखिल सुदर्शन शर्मा (27) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया गया है और उसी ने दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को धमकी भरा फोन किया था। काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम ने मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी का पता लगाया। हालांकि, धमकी के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई और अन्य तथ्यों की पुष्टि पुलिस जांच के अधीन है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई यह कार्रवाई मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के पुलिस अयुक्त निकेत कोशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्डे, पुलिस

उपायुक्त राहुल चव्हाण (जोन-1) तथा सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंपले के मार्गदर्शन में की गई। अभियान का नेतृत्व काशीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल ने किया। कार्रवाई में सहायक पुलिस निरीक्षक सुहास कांबले, सहायक पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे, पुलिस कांस्टेबल प्रताप पांडुरंग, पुलिस हवलदार किरण विकर, नामदेव देवकते, प्रवीण टोबरे, दीपक कुलकर्णी, अक्षेपक मडावी, अर्जुन बोरसे, रविंद्र सोनावणे और सुशांत महाले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागरिकों से पुलिस की अपील मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की धमकी, संदिग्ध गतिविधि या जनसुरक्षा से जुड़ी जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सुरक्षा के जुड़े मामले में त्वरित कार्रवाई की जाती है। काशीगांव पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से धमकी भरे फोन के मामले में आरोपी की पहचान करने और उसे हिरासत में लेने में सफलता मिली।

जमीन मालिक सोहन कंवर का एमबीवीवी पुलिस पर गंभीर आरोप

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय (एमबीवीवी) की कार्यप्रणाली को लेकर जमीन मालिक सोहन कंवर ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि वर्षों तक न्यायालयीन लड़ाई लड़ने के बावजूद जमीन से कथित अतिक्रमण हटाने के लिए उन्हें पुलिस सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उन्होंने संबंधित शिकायत पत्र स्वीकार नहीं किए जाने का आरोप भी लगाया है। सोहन कंवर के अनुसार, जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ने के बावजूद उन्हें अपेक्षित प्रशासनिक सहयोग नहीं मिल रहा है। उनका कहना है कि न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद भी कार्रवाई के लिए पुलिस थानों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं पुलिस की भूमिका पर उठाए सवाल जमीन मालिक द्वारा लगाए गए आरोपों ने पुलिस प्रशासन की भूमिका और शिकायत निवारण प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े किए

हैं। सोहन कंवर का आरोप है कि संबंधित मामले में शिकायत देने के प्रयास के बावजूद उनका पत्र स्वीकार नहीं किया गया। हालांकि, इस संबंध में पुलिस प्रशासन का आधिकारिक पक्ष सामने आना अभी बाकी है। पुलिस प्रशासन के जवाब का इंतजार मामले में यह स्पष्ट होना महत्वपूर्ण है कि संबंधित जमीन को लेकर न्यायालय के क्या आदेश हैं, अतिक्रमण हटाने के संबंध में क्या कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई है और पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए कोई औपचारिक आवेदन दिया गया था या नहीं। अब सबकी नजरें एमबीवीवी पुलिस प्रशासन के आधिकारिक स्पष्टीकरण पर टिकी हैं। पुलिस का पक्ष सामने आने के बाद भी पूरे मामले की स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल, सोहन कंवर के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में निष्पक्ष जांच और संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आना आवश्यक है, ताकि तथ्यों के आधार पर उचित निष्कर्ष निकाला जा सके।

जिला परिषद पालघर में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की मनाई गई जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद में गुरुवार 15 अक्टूबर 2026 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) इजाज अहमद शरीकमसलत ने डॉ. कलाम की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी (योजना) शेषराव बड़े तथा कृषि विभाग के विश्वजीत माने सहित जिला परिषद के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. कलाम के प्रेरणादायी जीवन और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया। बता दें कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान और मिसाइल



विकास कार्यक्रम में उनके उल्लेखनीय योगदान के कारण उन्हें मिसाइल मैन ऑफ इंडिया के नाम से जाना जाता है। उन्होंने वर्ष 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में देश की सेवा की। डॉ. कलाम ने विज्ञान, शिक्षा और तकनीकी विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। युवाओं को बड़े सपने देखने, ज्ञान अर्जित करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने वाले उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उनका जीवन सादगी, परिश्रम, समर्पण और देशभक्ति का प्रेरणादायी उदाहरण है।

दुबई में 11 दिनों से लापता भिवंडी का युवक, परिवार की बड़ी चिंता

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निवासी हिमांशु विनोद गुप्ता पिछले 11 दिनों से दुबई में लापता हैं। उनसे संपर्क नहीं हो पाने के कारण परिवार के लोग काफी परेशान हैं। परिवजनों के अनुसार, हिमांशु टूरिस्ट वीजा पर दुबई गए थे, लेकिन वहां नौकरी करने लगे। इसके बाद अचानक उनका परिवार से संपर्क टूट गया और अब तक उनकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। हिमांशु के भाई अर्धन गुप्ता ने बताया कि वे रॉयल गोल्ड टूरिज्म के माध्यम से टूरिस्ट वीजा पर दुबई गए थे। कुछ समय बाद उनका परिवार से संपर्क टूट गया। परिवजनों का कहना है कि अब न तो हिमांशु से संपर्क हो पा रहा है और न ही रॉयल गोल्ड टूरिज्म से कोई जानकारी मिल रही है। इस स्थिति से



पूरा परिवार चिंतित है और उनकी सुरक्षित वापसी की उम्मीद लगाए बैठा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवार ने दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास और विदेश मंत्रालय के टाइमर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। परिवजनों के मुताबिक, दुबई पुलिस भी हिमांशु की तलाश कर रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। इस

गणेश नगर में धूमधाम से मनाया जा रहा नवरात्रोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्रोत्सव के अवसर पर पालघर जिले में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। देवी मंदिरों और दुर्गा पंडालों में मां भगवती के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं शाम होते ही गरबा और डांडिया रास में भाग लेने वाले लोगों के साथ दर्शकों की भी भीड़ जुट रही है। पालघर जिले के बोईसर शहर पश्चिम के गणेश नगर की स्वागतम गली में स्थित अंबिका इंक्लेव में युवा मित्र मंडल नवरात्रोत्सव समिति की ओर से मां जगदंबा की स्थापना की गई है। यहां प्रतिदिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना और विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं, जिनमें स्थानीय लोग बड़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 को नवरात्रोत्सव के चौथे दिन मां कुम्भांडा की महाआरती और भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री निरंजनी अखाड़ा के परम पूज्य महंत डॉ. परमहंस श्री गिरी जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने मां भगवती के जयकारों के साथ अरदास करते हुए सभी के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की प्रार्थना की। महंत जी ने हिंदी, भोजपुरी तथा मराठी भाषाओं में देवी मां के पारंपरिक पंचरा गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में साराबोर



कर दिया। उनके भजनों से पूरा पंडाल जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा। नवरात्रोत्सव के आयोजक प्रमुख मुकलेश गिरी ने बताया कि नौ दिवसीय नवरात्रोत्सव के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ मनोरंजन एवं सामाजिक सेवा से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। आगामी दिनों में स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर, परम पूज्य संत श्री भारतानंद सरस्वती जी का शुक्रवार शाम दिव्य सत्संग, रामचरितमानस पाठ, महिलाओं के लिए हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम, गरबा-डांडिया रास तथा बच्चों के लिए खेलकूद जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। नवरात्रोत्सव के चलते गणेश नगर और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति

फॅब्रीकेशन अॅण्ड गिलवर्क्स

PRAJAPATI

FABRICATION & GRILL WORKS

MANUFACTURERS OF

COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALLUMINIUM SLIDING WINDOW

SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R12P

93245 26742

98200 55193

93227 55403

छात्रों ने खुद बनाया ड्रोन, आसमान में उड़ाकर किया सफल परीक्षण

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'स्वयान' बूटकैप का चौथा दिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय 'स्वयान'बूटकैप के चौथे दिन विद्यार्थियों ने अपने हाथों से बनाए ड्रोन को उड़ाकर तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में स्व-निर्मित ड्रोन का सफल परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में सी-डैक के परियोजना अभियंता दीपेश वर्मा ने ड्रोन कैमरा सेंसर की तकनीक और कृषि एवं पर्यावरण के क्षेत्र में उसके उपयोगों की जानकारी दी। वहीं, परियोजना अभियंता ईशा गुप्ता ने कृषि, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और सर्वेक्षण में ड्रोन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलपति प्रो.



कहा कि इस तरह के व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल, आत्मविश्वास और अनुसंधान की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम का संचालन

इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग के सहयोग से सी-डैक, नोएडा द्वारा किया जा रहा है। बूटकैप विद्यार्थियों के लिए तकनीकी शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास का महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा है।

सत्य, अनुशासन, त्याग की प्रेरणा देता है श्रीराम का जीवन: प्रो.आर.के. सिंह

रामोत्सव-2026: श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) विभाग द्वारा गुरुवार को विश्वविद्यालय के मुक्तगंगन परिसर

का पालन करना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इन आदर्शों को केवल उत्सवों तक सीमित न रखते हुए अपने व्यवहार, अध्ययन और सामाजिक जीवन में उतारना चाहिए। युवा केवल अपनी

शक्ति पूजा' प्रसंग के माध्यम से श्रीराम के जीवन के संघर्ष, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा पर प्रकाश डाला। सुमित ने कविता पाठ के माध्यम से प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व को प्रस्तुत किया, जबकि दिव्यांशु सिंह ने कार्यक्रम के महत्व पर अपने विचार रखे। विभाग के शिक्षक अनुपम कुमार ने भजन गायन कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एचआरडी विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने श्रीराम एवं रावण के चरित्र के विभिन्न पहलुओं का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को नैतिकता, संयम, कर्तव्यनिष्ठा और सदाचार जैसे जीवन मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के साथ ही भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों के प्रति उनकी समझ को सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर आगामी राष्ट्रीय स्केटिंग प्रतियोगिता में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने जा रहे छात्र विनय अग्रहरि को अंगवस्त्र भेंट कर शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका सिंह एवं पारुल श्रीवास्तव ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रसिकेश ने किया।

व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रहे, बल्कि अपने ज्ञान, कौशल और गहन-कीर्तन, नृत्य प्रस्तुति, श्री हनुमान चालीसा पाठ एवं श्रीराम स्तुति के सामूहिक वाचन के माध्यम से भक्ति, आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों का सुंदर सदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि मयादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन विद्यार्थियों के लिए आदर्श और प्रेरणास्रोत है। उनके जीवन से हमें सत्य, अनुशासन, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा, विनम्रता और मयादा

जौनपुर में मनाई गई डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती, युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए किया प्रेरित

श्याम बहादुर पाल बोले-डॉ. कलाम के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी जौनपुर की ओर से गुरुवार को सहर चुंगी, अल्पस्टडीनगंज स्थित जिला कार्यालय पर भारत के पूर्व

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।



राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद आयोजित गोष्ठी में उनके जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता

गोष्ठी को संबोधित करते हुए श्याम बहादुर पाल ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जीवन सादगी, संघर्ष, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रसेवा की प्रेरणादायक मिसाल है। उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और समर्पण के बल पर भारत को विज्ञान एवं रक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई। 'मिसाइल मैन' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. कलाम ने

हमेशा युवाओं को बड़े सपने देखने, शिक्षा हासिल करने और देश की तरक्की में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम के विचार आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनके आदर्शों को अपनाकर ही शिक्षित, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से संपन्न और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दिया जा सकता है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता रुखसार अहमद, उषा जायसवाल, अशोक यादव, नायक अलमास अहमद सिद्दीकी और अजहर रहमान ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर कमाल आजमी, कमालुद्दीन अंसारी, सभासद शाहनवाज अहमद, लक्ष्मीकांत यादव, धीरज, बिना, लालमणि यादव, आलोक कुमार यादव, राजवीर यादव, निजामुद्दीन, मोनू सोनकर सहित समाजवादी पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जौनपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता पंडित मिन्नालाल तिवारी का निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तरप्रदेश में जौनपुर जिले के सिविल कोर्ट में फौजदारी के वरिष्ठतम अधिवक्ता रहे पंडित मिन्नालाल तिवारी एडवोकेट का आज गुरुवार को उनके ओलन्दनगंज स्थित आवास पर निधन हो गया। वे लगभग 89 वर्ष के थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले के मछली शहर तहसील क्षेत्र के महापुर गांव के निवासी स्वर्गीय पंडित हरिहर प्रसाद तिवारी के पुत्र पंडित मिन्नालाल तिवारी सिविल कोर्ट जौनपुर में 1965 से अपने वकालत की शुरुआत जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता रहे स्व बलदेव जी मेहरोत्रा के यहां स्व सूर्यबली यादव एडवोकेट के साथ शुरुवात किए और जिले में फौजदारी के अति सफल वरिष्ठतम अधिवक्ता रहे। इनके पुत्र राहुल तिवारी एडवोकेट भी अच्छे अधिवक्ता हैं। मिन्ना लाल तिवारी 89 वर्ष अपने जीवन के अमूल्य 61 साल देवानी न्यायालय जौनपुर को दिए। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री तिवारी के निधन का समाचार सुनकर जौनपुर शहर के विधायक और प्रदेश सरकार में खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव उनके आवास पर



संस्कार आदि गंगा गोमती के पावन तट रामघाट पर पूरे नागरिक सम्मान के साथ किया गया। वहां पर भी भारी संख्या में अधिवक्ता, समाजसेवी, व्यापारी, राजनेता और पत्रकार मौजूद रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता मिन्नालाल तिवारी के शव को देवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ के परिसर में लाया गया, जहां पर भारी संख्या में अधिवक्ताओं ने उनके शव पर माल्यार्पण कर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिव्य प्रकाश की तूफानी पारी से जौनपुर पैंथर्स बना चैंपियन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल में जौनपुर पैंथर्स ने बदलापुर ब्लेजर्स को दो विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। जौनपुर पैंथर्स के दिव्य प्रकाश को मैन ऑफ द सीरीज तथा टीम के ही आकाश तिवारी को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जबकि बदलापुर ब्लेजर्स के योगेश को बेस्ट बॉलर का पुरस्कार मिला। दिव्य प्रकाश की तूफानी बल्लेबाजी ने मैच का रुख पलट दिया और पैंथर्स ने 18.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर खिताब पर कब्जा जमा लिया।

फाइनल में बदलापुर ब्लेजर्स के कप्तान अभिषेक यादव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 20 ओवरों में बदलापुर ब्लेजर्स की टीम आठ विकेट के नुकसान पर 111 रन ही बना सकी। टीम की ओर से बाल

कृष्णा ने 40 रेंडों पर 29 रन की सबसे महत्वपूर्ण पारी खेली। योगेश

शुरुआत में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। बदलापुर के गेंदबाजों ने

जीत दर्ज की। इस जीत के साथ जौनपुर पैंथर्स

राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय

बदलापुर ब्लेजर्स को 2 विकेट से हराया, दिव्य प्रकाश को मैन ऑफ द सीरीज, आकाश तिवारी मैन ऑफ द मैच बने



यादव ने 17 गेंदों पर 21 रन बनाए, जबकि अखिल यादव ने 11 गेंदों पर 14 और अजीत यादव ने 12 गेंदों पर 14 रन का योगदान दिया। जौनपुर पैंथर्स के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए विपक्षी टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोक दिया।

112 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जौनपुर पैंथर्स को

लगातार विकेट लेकर मैच को रोमांचक बनाए रखा। दबावपूर्ण परिस्थिति में दिव्य प्रकाश ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला और मैच का रुख अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया। अंतिम ओवरों तक चले रोमांचक संघर्ष के बाद जौनपुर पैंथर्स ने 18.1 ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और दो विकेट से



ने जेपीएल की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। फाइनल मुकाबले ने खिलाड़ियों के कौशल, संघर्ष और खेल भावना का सुंदर प्रदर्शन किया। दर्शकों के लिए यह मुकाबला अंतिम गेंदों तक रोमांच से भरपूर रहा।

फाइनल मुकाबले के अवसर पर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृह

निषाद, शाहगंज के विधायक रमेश सिंह, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह, जेपीएल के आयोजक अभिषेक सिंह तथा सफाली बग्गा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

प्रयागराज में जमीन विवाद में अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या

◆ पेट में गोली लगने से गई जान, पत्नी ने लगाए गंभीर आरोप
◆ मकान और प्लॉट की बाउंड्री तोड़ने को लेकर हुआ विवाद
◆ पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। शहर के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में जमीन को लेकर चल रहे विवाद ने गुरुवार को हिंसक रूप ले लिया। सलोरी इलाके में 52 वर्षीय अधिवक्ता सतीश कुमार श्रीवास्तव की गोली लगने से मौत हो गई। परिजन उन्हें पहले एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत में स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल रेफर किया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पत्नी वर्षा श्रीवास्तव ने पड़ोसी देवेंद्र नाथ मिश्रा और उसके साथ आए लोगों पर मकान में घुसकर तोड़फोड़ करने, मारपीट करने और उनके पति को गोली मारने का आरोप लगाया है। घटना के बाद परिजनों और साथी अधिवक्ताओं ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध जताया। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद स्थिति शांत हुई।

जमीन पर कब्जे की कांशिश का आरोप: वर्षा श्रीवास्तव के मुताबिक, देवेंद्र नाथ मिश्रा पिछले एक से दो साल से उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा था। इस संबंध में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय तक शिकायत की गई थी। उनका कहना है कि जमीन के दस्तावेज परिवार के पास हैं और संपत्ति को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। परिजनों के अनुसार, सतीश श्रीवास्तव, उनकी पत्नी और दोनों बेटियां गुरुवार को कॉलेज में थे। इसी दौरान सतीश का फोन आया कि सलोरी स्थित मकान में कुछ लोग घुसकर तोड़फोड़ कर रहे हैं। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। वहां मकान का ताला तोड़े जाने और पीछे स्थित प्लॉट की बाउंड्री क्षतिग्रस्त किए जाने का आरोप लगाया गया है।

मशरूम उत्पादन से हर सीजन 3.5 लाख रुपये तक की कमाई, 150 से अधिक महिलाओं को दिया प्रशिक्षण
सीडीओ नरेन्द्र बहादुर सिंह ने किया निरीक्षण, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और उत्पादन बढ़ाने के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड बक्स का की ग्राम पंचायत नरी में जन कल्याण आजीविका स्वयं सहायता समूह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी नरेन्द्र बहादुर सिंह ने समूह द्वारा किए जा रहे मशरूम उत्पादन कार्य का



निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समूह की अध्यक्ष श्रीमती साधना खरवार ने बताया कि मशरूम उत्पादन से प्रत्येक सीजन में लगभग 3 से 3.5 लाख रुपये की आय अर्जित हो रही है। समूह ने अपने साथ 10 अन्य महिलाओं को जोड़कर उन्हें रोजगार का अवसर प्रदान किया है। इसके अलावा, 15 अन्य स्वयं सहायता समूहों की 150 से अधिक महिलाओं को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी ने समूह के सदस्यों को मशरूम उत्पादन बढ़ाने, उत्पाद की ब्रांडिंग और बेहतर पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद स्तर पर उत्पादों की बिक्री के लिए व्यावसायिक स्थान उपलब्ध कराने तथा उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए अतिरिक्त शेड निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। सीडीओ ने समूह की क्षमता बढ़ाने के लिए अन्य विभागों से समन्वय स्थापित करने और सीएसआर फंड के माध्यम से सहयोग प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने महिलाओं की आय बढ़ाने और उनके स्वरोजगार को मजबूत करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। जन कल्याण आजीविका स्वयं सहायता समूह का यह प्रयास ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है।

मिशन शक्ति 6.0: साइबर जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जौनपुर में महिलाओं और आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के लिए किया जाएगा जागरूक, ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026 को साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से मोबाइल प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता वैन रवाना की गई। रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी सदर योगिता सिंह एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज ने हरी झंडी दिखाकर वैन को रवाना किया। कार्यक्रम अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी समेत अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन ठगी से बचाव की दी जाएगी जानकारी: जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं, बालिकाओं और आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित

महिलाओं, बालिकाओं और आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित



डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना है। मोबाइल प्रदर्शनी वैन विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीकों, उनसे बचाव के उपायों और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की

जानकारी देगी। अभियान के दौरान फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, एपीके फाइल, सोशल

मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल, ऑनलाइन खरीदारी में ठगी और निवेश के नाम पर अधिक मुनाफे का लालच देकर की जाने वाली धोखाधड़ी के प्रति लोगों को सतर्क किया जाएगा।

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा पर विशेष जोर: पुलिस की ओर से महिलाओं एवं बालिकाओं को सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी और तस्वीरें साझा करते समय सावधानी बरतने, गोपनीयता सेटिंग्स का इस्तेमाल करने तथा ऑनलाइन उत्पीड़न की स्थिति में शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया जाएगा।

ओटीपी और बैंकिंग जानकारी साझा न करने की अपील: जौनपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, सूचीआई पिन, बैंकिंग पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने और अनजान स्रोतों से एप या एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचें।

कमीशन या अधिक धन कमाने के लालच में अपना बैंक खाता किसी अन्य व्यक्ति को लेन-देन के लिए उपलब्ध न कराएं।

पुलिस ने बताया कि साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें। इसके साथ ही राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। शिकायत से संबंधित मेसेज, मोबाइल नंबर, चैट, स्क्रीनशॉट और लेन-देन का विवरण सुरक्षित रखना भी जरूरी है।

जौनपुर पुलिस ने लोगों से अभियान में सहभागी बनकर जागरूकता फैलाने की अपील करते हुए संदेश दिया- 'जागरूक बनें, सतर्क रहें' और साइबर अपराध से सुरक्षित रहें।'

विक्रोली पार्क साइट में धूमधाम से निकली भव्य श्रीराम बारात



मुंबई। मुंबई के विक्रोली पार्क साइट स्थित छत्रपति श्री शिवाजी महाराज मैदान में श्री रामलीला उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित 60वें रामलीला महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को भगवान श्रीराम के विवाह के उपलक्ष्य में भव्य श्रीराम बारात निकाली गई। बैड-बाजे, रथ और घोड़ों के साथ निकली शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। इसमें हजारों की संख्या में महिला-पुरुष सहित क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रीराम बारात में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के साथ उनके भाइयों भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई। राजा दशरथ के गुरु महर्षि वशिष्ठ तथा महर्षि विश्वामित्र की उपस्थिति में सुसज्जित रथों और घोड़ों के साथ बारात जनकपुरी के लिए रवाना हुई। बैड-बाजे और जय श्रीराम के जयकारों के बीच निकली शोभायात्रा ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। आनंद गढ़ नाके पर शुभम रमेश सिंह,उपाध्यक्ष सुनील आर सिंह, अनिल आर सिंह के द्वारा लड्डू और पानी वितरण कर बारात का स्वागत किया गया।इसी कड़ी में आशीर्वाद मंडल में बारात का भव्य स्वागत एवं जगह-जगह लोगों ने बारात का स्वागत किया और भगवान श्रीराम के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

शोभायात्रा के उपरांत रामलीला मंच पर भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह का भव्य मंचन किया गया। विवाह के अवसर पर महिलाओं ने मैथिली और अवधी भाषा में गीत प्रस्तुत किया। कलाकारों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों को अपनी सजीव और प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित ब्रजधाम के प्रतीक रामायण प्रचारक रामलीला मंडल के कुशल कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लीला को देखकर दर्शक भावविभोर हो रहे हैं। रामलीला में व्यास पंडित नरेंद्र मिश्रा, श्रीराम की भूमिका में प्रमोद तिवारी, राजा दशरथ की भूमिका में कृष्ण मोहन अवस्थी तथा लक्ष्मण की भूमिका में विकास गिरी ने अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया। ढोलवाजक रमेश पांडेय और मंडली संचालक प्रवीण रावत सहित अन्य कलाकारों का योगदान भी सराहनीय रहा। भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों और आदर्शों पर आधारित मंचन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, कार्याध्यक्ष शारदा प्रसाद शुक्ला, रामबिलास पाठक,सचिव दिवाकर मिश्रा, कोषाध्यक्ष एस.पी. सिंह, संगठन मंत्री एवं मीडिया प्रभारी आदेश कुमार मिश्र, मंच संचालक भूमिका सिंह,सर्वदेव पांडेय, बाबूलनाथ तिवारी, भीलानाथ मिश्र, विमलेश मिश्र, मनिकेश तिवारी, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, संदीप दुबे, प्रशांत शुक्ल, राहुल शुक्ल, शुभम सिंह, अवधेश तिवारी, अशोक गुप्ता, नीरज शुक्ला, अनिलेश मिश्र, प्रेम तिवारी, राजेश सिंह, राज मिश्र, प्रथम शुक्ला, प्रत्युष शुक्ल, रमाप्रति यादव, तपस्वी चौरसिया, रामतीर्थ शर्मा और जितेंद्र सिंह सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश तिवारी,शिवसेना नेता जयप्रकाश सिंह, सुषमा सिंह ठाकुर,दिनेश सिंह, पत्रकार सुरेंद्र यादव का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर समिति के संगठन मंत्री एवं मीडिया प्रभारी आदेश कुमार मिश्र ने श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में रामलीला महोत्सव में पहुंचकर आयोजन की शोभा बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें मयार्दा, सत्य, त्याग, कर्तव्य और आदर्शों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी से भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। गुरुवार को राम वनवास,राम केवट संवाद इत्यादि लीला का मंचन किया गया।

सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स के हजारीबाग स्टोर का भूमि पेडनेशन ने किया भव्य उद्घाटन

हजारीबाग(उत्तरशक्ति)। भारत के प्रमुख आभूषण खुदरा विक्रेताओं में से एक, सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स ने आठ दशकों से अधिक की अपनी विरासत के साथ झारखंड में अपने विस्तार को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की उपस्थिति में हजारीबाग में अपने नए स्टोर का भव्य शुभारंभ किया। यह नया स्टोर भारतीय शिल्पकला पर आधारित सोने और प्राकृतिक हीरों के आभूषणों की सेन्को की विस्तृत श्रृंखला को हजारीबाग और आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों के और करीब लेकर आया है। इस स्टोर में पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक डिजाइन के अनूठे संगम से तैयार किए गए आभूषण उपलब्ध होंगे। नए स्टोर के भव्य शुभारंभ पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने कहा कि मेरे लिए आभूषणों की खूबसूरती उनके पीछे छिपी कहानी, कारीगरी, डिजाइन और उनसे जुड़ी यादों में है। सेन्को की एक शानदार विरासत रही है, जिसमें पारंपरिक भारतीय कारीगरी की समृद्धि को ऐसे डिजाइनों के साथ जोड़ा जाता है, जो आधुनिक और नए अंदाज के लगते हैं। यही बात इस ब्रांड को खास बनाती है। सेन्को जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड की विरासत के साथ ग्राहकों का विश्वास भी जुड़ा हुआ है। यह विश्वास तब और भी मयने रखता है, जब हम शादी या त्योहार जैसे खास अवसरों के लिए आभूषण चुनते हैं। मुझे हजारीबाग आकर इस नए स्टोर के शुभारंभ का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हो रही है। यह देखकर अच्छा लग रहा है कि सेन्को अपनी विरासत, उत्कृष्ट कारीगरी और आकर्षक डिजाइनों को यहीं का यहीं के और करीब लेकर आ रहा है।

इस अवसर पर सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी एंड सीईओ) सुवंकर सेन ने कहा कि झारखंड सेन्को के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। इस क्षेत्र में आभूषणों के प्रति गहरा सांस्कृतिक जुड़ाव है और सोने तथा उत्कृष्ट कारीगरी की विशेष महत्व दिया जाता है। हजारीबाग में हमारे नए स्टोर का शुभारंभ राज्य में हमारी खुदरा उपस्थिति को मजबूत करने और क्षेत्र के ग्राहकों तक अपने आभूषणों की विस्तृत श्रृंखला पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।आठ दशकों से अधिक समय से सेन्को की यात्रा उत्कृष्ट कारीगरी, आकर्षक डिजाइन, गुणवत्ता और सबसे महत्वपूर्ण, ग्राहकों के विश्वास पर आधारित रही है।

नए बाजारों में विस्तार करते हुए भी ये मूल्य हमारे लिए सर्वोपरि हैं और ग्राहकों को दिए जाने वाले अनुभव का अभिन्न हिस्सा बने हुए हैं। हजारीबाग का नया स्टोर सोने और प्राकृतिक हीरों के आभूषणों की हमारी विस्तृत श्रृंखला को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है। यहाँ ग्राहकों को शादी-विवाह, त्योहारों, उपहार देने और रोजमर्रा के खास अवसरों के लिए उपयुक्त विभिन्न डिजाइन मिलेंगे। हम हजारीबाग और आसपास के क्षेत्र के परिवारों के जीवन के खास अवसरों, खुशियों और महत्वपूर्ण पड़ावों का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं।

18 दिन के आंदोलन के बाद कुलपति कार्यालय पर तालाबंदी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में विद्यार्थियों की मूलभूत और लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को कुलपति कार्यालय पर तालाबंदी कर विरोध जताया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि 18 दिनों तक अनिश्चितकालीन आंदोलन चलाने और विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष मांगें रखने के बावजूद समस्याओं के समाधान की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई।

परिषद ने मांग की कि विद्यार्थियों से जुड़े सभी लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों के हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठन ने 18 दिनों तक शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया। इस दौरान छात्रावासों की समस्याओं, विद्यार्थियों की सुरक्षा, सड़क, विद्युती-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं और अन्य छात्रहित के विषयों को प्रमुखता से उठाया गया। कार्यकर्ताओं के अनुसार, इन समस्याओं के समाधान के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित विभागों को पहले भी पत्र और सूचनाएं दी गई थीं।

चेन्नई सेंट्रल स्टेशन पर ईमानदारी और इंसानियत की मिसाल, राजा ने पेश की मदद की अनूटी कहानी

चेन्नई। इंसानियत और ईमानदारी आज भी समाज में जिंदा है। इसका उदाहरण चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला, जहां एक तमिल युवक राजा ने भाषा की बाधा के बावजूद उत्तर प्रदेश से आए यात्रियों की मदद कर मानवता की मिसाल पेश की। राष्ट्रीय प्रवक्ता, उत्तर यादव युवा संघ, कैलाश चन्द्रधारी यादव ने बताया कि वह शंकर नेत्रालय, चेन्नई से आंखों का सफल इलाज करवाने के बाद अपने सहयोगी मित्र हरिकेश यादव, निवासी गाजीपुर, के साथ ऑटो रिक्शा से चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। ऑटो का किराया उन्होंने ग्राूल पे के माध्यम से चुकाया और जल्दबाजी में स्टेशन के अंदर टिकट लेने चले गए। इसी दौरान उन्हें अचानक याद आया कि उनका बैग ऑटो में ही छूट गया है। बैग में आंखों के इलाज से संबंधित महत्वपूर्ण कागजात और जरूरी

दस्तावेज रखे हुए थे। ट्रेन छूटने का समय नजदीक होने के कारण दोनों यात्री काफी परेशान हो गए।

भाषा की बाधा के बीच मददगार बने दो युवक

कैलाश चन्द्रधारी यादव ने

ऑटो में छूट गया इलाज के जरूरी दस्तावेजों से भरा बैग, तमिल युवक की मदद से सुरक्षित मिला सामान ; कैलाश चन्द्रधारी यादव ने जताया आभार

ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से ऑटो चालक का मोबाइल नंबर निकाला और उसे फोन किया। चालक ने फोन तो उठाया, लेकिन वह केवल तमिल भाषा में बात कर रहा था। भाषा समझ में नहीं आने के कारण दोनों यात्री अपनी परेशानी उसे ठीक से नहीं बता पा रहे थे।

इसके बाद वे तत्काल ऑटो रिक्शा स्टैंड पहुंचे, जहां उन्हें दो ऐसे युवक मिले, जिन्हें तमिल और हिंदी

दोनों भाषाओं का ज्ञान था। दोनों युवकों ने उनकी परेशानी सुनी और ऑटो चालक से संपर्क करने में मदद की।

इसी दौरान एक युवक ने अपने मोबाइल से ऑटो चालक को फोन

किया और उसे बताया कि यात्रियों का बैग उसके ऑटो में छूट गया है। उसने चालक से तुरंत रेलवे स्टेशन पहुंचकर बैग लौटाने का आग्रह किया। 500 अतिरिक्त मांगने की बात, फिर सुरक्षित मिला बैग कैलाश चन्द्रधारी यादव के अनुसार, बातचीत के दौरान ऑटो चालक ने बैग लेकर वापस आने के लिए 500 अतिरिक्त मांगे। बैग में इलाज से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज होने के

जौनपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, 7 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।नवरात्र, दशहरा और दीपावली के त्योहारों को देखते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जनपद में विशेष अभियान शुरू किया है। बुधवार, 14 अक्टूबर को विभाग की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों और ई-कॉमर्स स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान सात खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए गए, जबकि एक प्रतिष्ठान में कमियां मिलने पर सुधार नोटिस जारी किया गया। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय डॉ. मंजुला सिंह ने बताया कि त्योहारों के दौरान कुटूह का आटा, सिंघाड़े का आटा, साबूदाना, मूंगफली, सूखे मेवे, दूध एवं दुध उत्पाद, मिठाई, नमकीन और खाद्य तेल की मांग बढ़ जाती है। इसी के मद्देनजर मिलावटी, नकली और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर



रोक लगाने के लिए निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के तहत लाइन बाजार रोड स्थित हुसेनाबाद के ब्लिंकिट स्टोर हाउस से साबूदाना, जमदहा बाजार स्थित इकरा ड्राई फ्रूट्स एंड कैफे से खजूर तथा जमदहा, खेतासराय स्थित विकास कुमार साहू के प्रतिष्ठान से सिंघाड़े के आटे का नमूना लिया गया। वहीं, नई बाजार केराकत स्थित खुशी किराना स्टोर से खुले मूंगफली दाने, जयगोपालगंज

इंदौर में जलसंकट, महापौर ने मुख्यमंत्री से 50 करोड़ का पैकेज मांगा

-प्रणित नरेंद्र तिवारी
इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश में कमजोर मानसून ने जल संकट की आशंका बढ़ा दी है। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में सामान्य तौर पर होने वाली करीब 37 इंच बारिश के मुकाबले इस बार 23 इंच पानी ही बरसा है। इसके मद्देनजर महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जल प्रबंधन के लिए 50 करोड़ रुपए के पैकेज की मांग की है।जलसंकट से निपटने के उपायों पर चर्चा के लिए आज ही नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, इंदौर नगर निगम समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। इंदौर में 2008 में भी करीब 20 इंच ही बारिश हुई थी, उस समय भी

जल संकट की स्थिति बनी थी। अब 18 साल बाद कम बारिश के कारण एक बार फिर गर्मी में पानी की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ रही है। शहर की आबादी करीब 40 लाख है। घरेलू जरूरतों के लिए रोज

करीब 620 एमएलडी (मिलियन लीटर पर डे) पानी की जरूरत होती है। औद्योगिक, व्यावसायिक, संस्थागत और अन्य उपयोग जोड़ने पर कुल मांग 750 से 800 एमएलडी तक पहुंच जाती है।

मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में मनाई गई डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती, युवाओं को दिया विकसित भारत का संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, जौनपुर के सौदागर हॉल में उड़ान कलाम मंच के अंतर्गत प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को डॉ. कलाम के आदर्शों पर चलने, बड़े सपने देखने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को अपने सपनों को केवल कल्पनाओं तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि ज्ञान, आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर परिश्रम के माध्यम से उन्हें साकार करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन इस बात

का प्रमाण है कि साधारण परिस्थितियों से निकलकर भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी प्रतिभा पहचानने, असफलताओं से सीखने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह ने की। उन्होंने अपने संबोधन में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, साहस और राष्ट्रसेवा को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए युवाओं से स्पष्ट लक्ष्य निश्चित कर दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ने की अपील की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. कलाम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन ज्ञान, सादगी, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम का अद्वितीय उदाहरण है। उनके विचार आज भी युवाओं को बड़े सपने देखने और

कारण उन्होंने अतिरिक्त रकम देने की सहमति दे दी। इस पूरी घटना के दौरान तमिल युवक राजा यात्रियों के साथ स्टेशन पर ही मौजूद रहा। लगभग एक घंटे के इंतजार के बाद ऑटो चालक बैग लेकर पहुंचा और यात्रियों को उनका सामान सुरक्षित वापस मिल गया। बैग मिलने के बाद दोनों यात्रियों ने राहत की सांस ली। कैलाश चन्द्रधारी यादव ने बताया कि मदद करने वाले युवक का नाम राजा है, जो वेल्लूर का निवासी है। उन्होंने राजा के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि अनजान शहर में, भाषा की बाधा के बीच किसी जरूरतमंद की मदद के लिए खड़े होना सराहनीय कार्य है।

राजा के सहयोग ने बढ़ाया चेन्नई के प्रति सम्मान

कैलाश चन्द्रधारी यादव ने कहा कि इस घटना ने उन्हें यह अनुभव कराया कि इंसानियत को कोई भाषा

या सीमा नहीं होती। मुश्किल समय में राजा ने जिस तरह उनका साथ दिया, वह हमेशा याद रहेगा। उन्होंने राजा और ऑटो चालक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे अनुभव समाज में विश्वास, सहयोग और ईमानदारी की भावना को मजबूत करते हैं। चेन्नई सेंट्रल रेलवे

स्टेशन पर हुई यह घटना इस बात की

याद दिलाती है कि अनजान लोगों के

बीच भी मानवीय संवेदनाएं और

मदद का भाव कायम है। राजा के

सहयोग ने न केवल दो यात्रियों की

परेशानी दूर की, बल्कि अनेक दिल में

चेन्नई और वहां के लोगों के प्रति

सम्मान भी बढ़ाया।

पुणे ग्रेजुएट एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर स्नेहा दुबे पंडित ने की संगठनात्मक बैठक



पिंपरी-चिंचवड। आगामी पुणे ग्रेजुएट एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों को ध्यान में रखते हुए पिंपरी विधानसभा क्षेत्र के आकुडी गांवझशाहूनगर मंडल में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनावी रणनीति, प्रचार अभियान की रूपरेखा और संगठन की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया गया। बैठक में भाजपा साउथ इंडियन अलायंस महाराष्ट्र के स्टेट ईंचार्ज राजेश पिल्लई, पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका की पूर्व महापौर मंगलाताई कदम, कॉर्पोरेटर एवं लीगल कमेटी सदस्य कुशाग्र मंगला अशोक कदम, मंडल अध्यक्ष धरम वाघमारे, भाजपा वसई-विरार शहर जिला के जनरल सेक्रेटरी बिजेंद्र कुमार, स्टेट ऑफिस बेयरर गोपी मेनन, एसआईआर वसई विधानसभा प्रमुख मयंक शेट तथा भाजपा वसई-विरार शहर जिला युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष अंशुमान ठाकुर सहित भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में चुनावों में सफलता हासिल करने के लिए प्रभावी प्रचार योजना तैयार करने, संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर जोर दिया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन की मजबूती, सुनियोजित रणनीति और कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही चुनावी सफलता का प्रमुख आधार है। बैठक में सभी ने आगामी पुणे ग्रेजुएट एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों में सफलता प्राप्त करने के लिए पूरी क्षमता और समर्पण के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। संगठन की तैयारियों को मजबूत बनाने तथा चुनावी अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर भी सहमति जताई गई।

गोल्हनामऊ स्थित चारों धाम मंदिर में स्थापित मां का दर्शन करने उमड़ी भक्तों की भीड़



बताया कि अखंड ज्योति दीपक पुरे नवरात्रि तक जलता रहता है। नवरात्रि पूर्ण होने पर हवन के बाद महाप्रसाद का वितरण किया जाता है । आइए इस शारदीय नवरात्रि मां जगदंबा के चरणों में प्रार्थना करें । हे मां हमारे भीतर से भय, अहंकार , लोभ , मोह और अज्ञान का

वाले) ने मंदिर का स्थापना किया था ।उनका लक्ष्य था कि जो व्यक्ति चारों

धाम का दर्शन करने में असमर्थ हैं, वे यहां पहुंच कर चारों धाम का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करें । दर्शन करने मात्र से मनोकामना पूर्ण होती है। पंडित अनिल दुबे ने आगे

अंधकार दूर करें। मां हमें सत्य की मार्ग पर चलने की शक्ति दें। अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस दे और समाज में प्रेम , सद्भावना , संस्कार एवं मानवता की ज्योति प्रज्वलित करने का सामर्थ्य दे। जय माता दी, जय अंबे ,जय भवानी।

अहमद अब्बास खान एवं शादों जवॉ ने किया।

कार्यक्रम में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर विशाल सिंह, डॉ. जीवन यादव, डॉ. कमरुद्दीन शेख, आरपी सिंह, डॉ. ममता सिंह, डॉ. नीलेश सिंह, डॉ. सतीश दुबे, डॉ. प्रज्वलित यादव, डॉ. शाहिदा परवीन, डॉ. प्रेमलता गिरी, संतोष सिंह, प्रवीण यादव, आत्मनिश्चवास बढ़ाने तथा विकसित भारत के संकल्प को डॉ. अलमीना सहित महाविद्यालय

के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। उड़ान कलाम मंच के माध्यम से विद्यार्थियों को संदेश दिया गया कि डॉ. कलाम के सपनों का भारत तभी साकार होगा, जब युवा अपनी ऊर्जा को शिक्षा, नवाचार, चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा में लगाएंगे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में आत्मनिश्चवास बढ़ाने तथा विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने की प्रेरणा दी।

नवरात्र के चौथे दिन देवी मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्र के चौथे दिन बृहस्पतिवार को जिले के देवी मंदिरों में श्रद्धा का सैलाब उमड़ा। सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने मां कृष्णांडा की पूजा-अर्चना कर नारियल, चुनरी और प्रसाद चढ़ाया। कई भक्तों ने कड़ाही चढ़ाकर मनोती मांगी। नगर के चौक स्थित दक्षिणमुखी मां दुर्गा मंदिर, बड़ादेव और रैदौपुर के देवी मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में पलहना के मां पाल्हमेश्वरी धाम और भक्तों के मजा नेवादा स्थित मां अष्टभुजा धाम में भी बड़ी संख्या में उमड़ पहुंचे। मां अष्टभुजा धाम में भीड़ इतनी रही कि मंदिर परिसर में पैर रखने तक की जगह नहीं बची।



पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित, कहा—सपनों को साकार करने के लिए ज्ञान, अनुशासन और परिश्रम जरूरी

उन्हें साकार करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नाटकों तथा डॉ. कलाम के जीवन पर आधारित

प्रस्तुतियों के माध्यम से उनके संघर्ष, वैज्ञानिक उपलब्धियों और राष्ट्र के प्रति समर्पण को जीवंत किया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन



डॉ0 मोहम्मद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकला, जौनपुर



डॉ0 सुनील कुमार दुबे
(Laprosurge, Surgeon) on call



डॉ0 एस के वर्मा
P.G.D.C. (Dentist)
(एन सी डिप्लोमा)



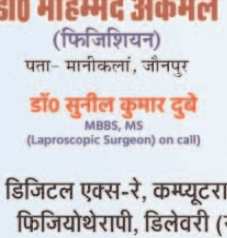
डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह
(दंत विशेषज्ञ)
समय - सुबह 9 से 11 बजे तक (रविवार, रविवार)



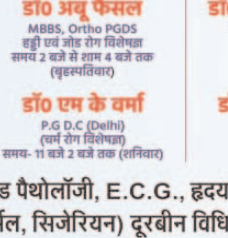
डॉ0 यसीरा अली
MBBS, MS (Job & Gynae Surgeon)
सी टी एवं बायोपस विशेषज्ञ (Infectious)
समय- सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (समयवद्ध)



डॉ. मोहम्मद अज़ह
एम.बी.बी.एस.
जरनल फिजिशियन



डॉ0 सुनील कुमार दुबे
(Laprosurge, Surgeon) on call



डॉ0 एस के वर्मा
P.G.D.C. (Dentist)
(एन सी डिप्लोमा)



डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह
(दंत विशेषज्ञ)
समय - सुबह 9 से 11 बजे तक (रविवार, रविवार)



डॉ0 यसीरा अली
MBBS, MS (Job & Gynae Surgeon)
सी टी एवं बायोपस विशेषज्ञ (Infectious)
समय- सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (समयवद्ध)



डॉ. मोहम्मद अज़ह
एम.बी.बी.एस.
जरनल फिजिशियन

डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चंस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिक्स, बच्चीदानी, हाइड्रोसेल का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।

पता - मानीकला, जौनपुर

9451610571, 7380850571

**तोरण के संपादक के बंद घर में
73 हजार का माल पार**

भिंवंडी। परिवार के साथ विदेश घूमने गए एक समाचार पत्र क संपादक के बंद घर की निशाना बनाते हुए चोरों ने 73 हजार रुपये के सोने के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोर घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए, ताकि उनकी पहचान उजागर करने वाला कोई सबूत न बचे। यह घटना भिंवंडी तालुका के वलपाडा स्थित कैलासगण परिसर की है। जानकारी के अनुसार, दैनिक स्वराज्य तोरण के संपादक किशोर पाटील अपने परिवार के साथ घर बंद कर मलेशिया और सिंगापूर की विदेश यात्रा पर गए थे। तै, तो अंदर नजारा देखकर हैरान रह गए। घर के सभी कपाट और लॉकर खाली पाए गए। जांच करने पर पता चला कि चोरों ने घर के पीछे की छिड़की की लोहे। इसके बाद उन्होंने भूतल और पहली मंजिल पर स्थित बेडरूम के कपाटों के लोहे सहित कुल 73 हजार रुपये का माल चोरी कर लिया। चोरों ने घर में लगे सीसीटीवी। घटना की जानकारी मिलते ही किशोर पाटिल ने नारपोली पुलिस से घटनास्थल पर पहुंची और पंचनामा किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की जांच पुलिस उपनिरीक्षक राहुल पाटिल कर रहे हैं। रिहायशी इलाके में व्यस्त इस चोरी से स्थानीय नागरिकों में भय का माहौल है। परिवार के बाहर जाने की आशंका से उनकी राहत को देखते ही पुलिस चले गये हैं।